



# Jagdish Singh

25 Apr 1979

Model: Numerology-Report

Order No: 119089001

## अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119089001

Date: 14/08/2025

|                 |                                         |
|-----------------|-----------------------------------------|
| नाम             | Jagdish Singh                           |
| जन्म तिथि       | 25/04/1979                              |
| मूलांक          | 7                                       |
| भाग्यांक        | 1                                       |
| नामांक          | 8                                       |
| मूलांक स्वामी   | नेप/केतु                                |
| भाग्यांक स्वामी | सूर्य                                   |
| नामांक स्वामी   | शनि                                     |
| मित्र अंक       | 2, 6, 1                                 |
| शत्रु अंक       | 9                                       |
| सम अंक          | 3, 4, 5, 8                              |
| मुख्य वर्ष      | 1996,2005,2014,2023,2032,2041,2050,2059 |
| शुभ आयु         | 17,26,35,44,53,62,71,80                 |
| शुभ वार         | रवि, सोम                                |
| शुभ मास         | फर, जून, जुला                           |
| शुभ तारीख       | 7, 16, 25                               |
| शुभ रत्न        | लहसुनिया                                |
| शुभ उपरत्न      | सुनहरा हकीक                             |
| अनुकूल देव      | नृसिंह भगवान                            |
| शुभ धातु        | लौह                                     |
| शुभ रंग         | काला                                    |
| मंत्र           | ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः    |
| शुभ यंत्र       | शनि यंत्र                               |

|    |    |    |
|----|----|----|
| 12 | 7  | 14 |
| 13 | 11 | 9  |
| 8  | 15 | 10 |

**Vedic Wisdom Path**

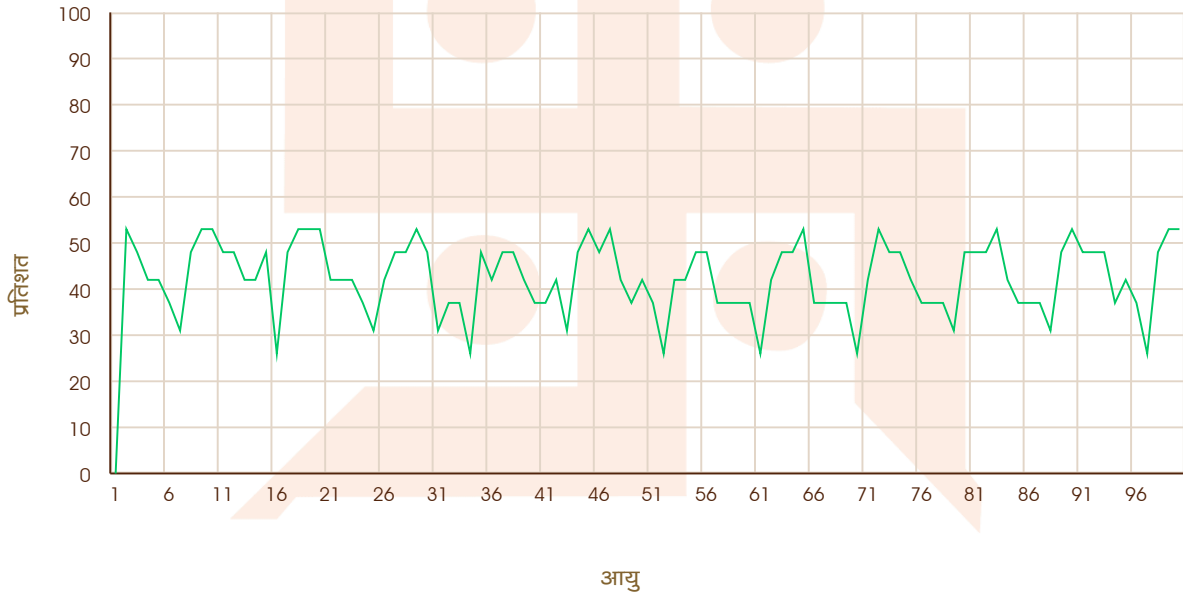
Hyderabad

9492523219

spvedicgyan@gmail.com

## अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1996,2005,2014,2023,2032,2041,2050,2059

शुभ आयु 17,26,35,44,53,62,71,80

## अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 25 है। दो और पाँच के योग से 7 आपका मूलांक होता है। मूलांक 7 का स्वामी भारतीय ज्योतिष में केतु को तथा पाश्चात्य विद्वानों ने नेपच्यून को माना है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। आपके जीवन पर इन तीनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव अंक ज्योतिषानुसार आयेगा।

मूलांक सात के प्रभाव से कल्पना शक्ति आपके अन्दर उच्चकोटि की रहेगी। आपकी रुचियों में गीत संगीत गद्य-पद्य, नाच-गान, ललित कलाएं, साहित्य, लेखन इत्यादि रहेगा। धनसंग्रह की ओर आप विशेष ध्यान नहीं देंगे। इससे कई बार आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। घूमना-फिरना, दूरस्थ देशों की यात्रा करना आपको आनन्दित करेगा।

आपकी विचारधारा परिवर्तन शील, आधुनिक होगी एवं प्राचीन रीति-रिवाजों की आप विशेष परवाह नहीं करेंगे। अतीन्द्रिय ज्ञान आपमें अच्छा होने से आप सामने वाले व्यक्ति के मनोभावों को बड़ी आसानी से समझ जाया करेंगे। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने का गुण आपमें अच्छा रहेगा। यात्राएं आपके लिए लाभप्रद रहेंगी एवं ऐसा क्षेत्र जिसमें यात्राएं अधिक रहती हों आपके लिये भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

देश-विदेश, भूमि-वाहन आपको विशेष लाभ देंगे। अंक दो चन्द्र का ऋणात्मक अंक होने से आपके अन्दर आशंका, असफलता के अवगुण आयेंगे। आपका जीवन चक्र ऊँचाईयों-निचाईयों से ओत-प्रोत रहेगा। अंक पांच के प्रभाव से आप एक बौद्धिक स्तर के व्यक्ति रहेंगे तथा शारीरिक श्रम की अपेक्षा बौद्धिक स्तर के कार्य करना अधिक पसन्द करेंगे। आपका भाग्योदय जन्म स्थान से अन्यत्र होगा।

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

आपका मूलांक 7 है तथा आपका भाग्यांक 1 है। मूलांक 7 का स्वामी नेपच्यून है

तथा भाग्यांक 1 का स्वामी सूर्य है। मूलांक 7 और भाग्यांक 1 के बीच शत्रु संबंध है। इसके प्रभाववश आपको इन दोनों ही अंकों के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। सूर्य ग्रह के प्रभाव से आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की होगी। मूलांक स्वामी नेपच्यून के प्रभाव से आपके रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में अचानक परिवर्तन होते रहेंगे। इन दोनों के संयुक्त प्रभाव से कभी आपको बहुत अच्छी सफलताएं मिलती रहेंगी, तो एकाध बार असफलताओं का सामना भी करना पड़ेगा। अपने कार्यक्षेत्र में आप सामने वाले व्यक्तियों को शीघ्र अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगे। आपके अंदर अत्यधिक आकर्षण शक्ति रहेगी, जो आपके रोजगार-व्यापार में आपके बहुत काम आएगी। इस वजह से आप अपने रोजगार में काफी नाम और सफलता प्राप्त करेंगे। यात्राओं का योग आपके जीवन में काफी मात्रा में रहेगा एवं कुछ एक यात्राएं आपको विशेष लाभ प्रदान करेंगी। आपकी सामाजिक स्थिति धीरे-धीरे बनती हुई मध्य अवस्था से काफी अच्छी बन जाएगी एवं आप एक लोकप्रिय व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित करेंगे।

आपका भाग्योदय 28 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 37 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 46 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 7 की मित्रता 2 एवं 6 से है तथा भाग्यांक 1 की मित्रता 4 एवं 8 से है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 6, 7, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इससे आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से शत्रु संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के शुभ फलों में थोड़ी-बहुत न्यूनता आएगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष, या दिन घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जून, जुलाई, अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 7 एवं भाग्यांक 1 के प्रभाववश ईस्वी सन, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
- 4 . 13, 22, 31, 40, 42, 58, 67
- 6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
- 7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



## नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

**Jagdish Singh**  
**1+1+3+4+1+3+5 3+1+5+3+5**  
**नाम का योग : 35 नामांक : 8**

आपके नाम का कुल योग पैंतीस बनता है। तीन एवं पाँच के योग से आठ आपका नामांक होता है। इसका स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। अंक तीन का स्वामी बृहस्पति एवं पाँच का बुध ग्रह है। अतः आपके नाम को बुध, गुरु एवं शनि प्रभावित करेंगे। आपकी कार्यशैली हर किसी के समझ में नहीं आएगी, क्योंकि आप हर कार्य को गुप्त तरीके से करेंगे। आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति न होने के कारण आपको कठोर समझा जाएगा। जबकि आप कोमल हृदय के बहुत दयालु होंगे। आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आप हमेशा काम में ही लगे रहें। आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी। रुकावटों के कारण आप को उन्नति देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होगी। आपका नाम जीवन के उत्तरार्ध में समाज के मध्य काफी लोकप्रिय होगा।

आपके नाम का नामांक 8 है। आपके नामांक का आपके मूलांक 7 से सम संबंध तथा भाग्यांक 1 से मित्र संबंध है। इसके प्रभाववश आपका नाम आपके भाग्य से अच्छी सफलताएं अर्जित करने में सफल होगा। आपके भाग्यांक का पूर्ण सहारा आपको प्राप्त होगा और आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नाम तथा यश प्राप्त करने में सफल रहेंगे। भाग्यांक के प्रभाव से आपको वांछित सफलताएं भाग्यांक के अंकों की आयु पर प्राप्त होंगी। मूलांक से सम संबंध होने के कारण आपको मूलांक के अंकों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में प्राप्त होगा। अतः आप चाहें तो मूलांक का पूर्ण प्रभाव प्राप्त करने हेतु अपने नाम में आंशिक परिवर्तन कर सकते हैं। जिससे आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही अच्छे संबंध बन जाएं।

आपके नामांक का आपके मूलांक 7 से मिलान ठीक नहीं है, लेकिन भाग्यांक 1 से मिलान हो रहा है। मूलांक से मिलान न होने के कारण आपका नाम पूर्णतः सफल नहीं हो सकेगा और जीवन में संघर्ष, अवनति आदि की वृद्धि करेगा। आप अपने नाम का पूर्ण शुभ फल पाने हेतु अपने नाम को नामांक से भी मिलान करना अच्छा रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से मिलान करे तथा उसका नामांक 7 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपको अच्छी सांसारिक सफलताएं देगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 2,4,8 अंक शुभ रहेंगे तथा 9,6,1 अंक अशुभ रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

**A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z**

**1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7**

**उदाहरणार्थ:-**

|                |                                    |                                          |
|----------------|------------------------------------|------------------------------------------|
| एक अंक घटाना:- | GANESHA<br>$3+1+5+5+3+5+1=23=5$    | GANESH<br>$3+1+5+5+3+5=22=4$             |
| एक अंक :-      | RAM<br>$2+1+4=7$                   | RAMA<br>$2+1+4+1=8$                      |
| दो अंक :-      | BINDRA<br>$2+1+5+4+2+1=15=6$       | BRINDRA<br>$2+2+1+5+4+2+1=17=8$          |
| तीन अंक :-     | RAMCHAND<br>$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$ | RAMCHANDRA<br>$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=1$ |
| चार अंक :-     | KRISHNA<br>$2+2+1+3+5+5+1=19=1$    | KRESHNA<br>$2+2+5+3+5+5+1=23=5$          |
| पाँच अंक :-    | TEWARI<br>$4+5+6+1+2+1=19=1$       | TIWARI<br>$4+1+6+1+2+1=15=6$             |
| छः अंक :-      | AGGARWAL<br>$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$ | AGARWAL<br>$1+3+1+2+6+1+3=17=8$          |

## अंक ज्योतिष उपाय विचार

### अनुकूल समय

नेपच्यून (केतु) 21 जून से 25 जुलाई तक पाश्चात्य मत से, सूर्य कर्क राशि में रहता है तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक, भारतीय मत से सूर्य कर्क राशि में रहता है। इस समय जल तत्व की वृद्धि होती है। अतः उपयुक्त समय मूलांक सात के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

### अनुकूल दिवस

रविवार एवं सोमवार के दिवस में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, अपने किसी अधिकारी से मिलना, पत्र व्यवहार आदि के कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल हैं। आप अपना कोई भी कार्य इन्हीं दिवसों में प्रारंभ करें।

### शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 आपके लिए विशेष महत्वपूर्ण होंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, रोजगार-व्यापार, पत्र लेखन या उच्च अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य संपन्न करेंगे तो वह अधिक सुविधाजनक एवं फलदायक रहेगा।

### अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 1, 9, 10, 18, 19, 27 एवं 28 तारीखें प्रतिकूल हैं। इन तारीखों में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार या कोई भी महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। अतः आप इन तिथियों के दुष्प्रभाव से बचें।

### मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे व्यक्तियों से रखें जिनका जन्म 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो। ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता घनिष्ठ रहेगी तथा वे रोजगार, साझेदारी के क्षेत्र में सहायक सिद्ध होंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विश्वसनीय रहेंगे।

### प्रेम संबंध एवं विवाह

यदि आपको प्रेम अथवा विवाह संबंधी संबंध स्थापित करना है तो आपके लिए ऐसी महिलाएं शुभ रहेंगी जिनका मूलांक 2, 6, 7 हो तथा जिनका जन्म किसी भी माह की 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों में हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगी।

### अनुकूल रंग

आपके मूलांक को देखते हुए आपके लिए हरा काफूरी, सफेद, हल्का तिल रंग शुभ फलदायक होंगे। इसलिए आप वस्त्रों के चयन के समय इन रंगों का ध्यान रखें। ये रंग आपके रोजगार-व्यवसाय तथा स्वास्थ्य के लिए भी अनुकूल रहेंगे। इन्हीं रंगों के तकिये, चादर आदि आपके लिए ठीक रहेंगे। आप इन रंगों का रुमाल अपने पास रखें, जो आपके स्वास्थ्य तथा आपके लिए मंगलमय रहेगा।

### वास्तु एवं निवास

आपको ऐसा भवन जिसका मूलांक या नामांक 7 हो तथा वह नैऋत्य कोण दिशा में स्थित हो शुभ रहेगा। यदि आप मकान बनवाते हैं या खरीदने के इच्छुक हैं तो आपके लिए नैऋत्य कोण दिशा उपयुक्त रहेगी तथा आप अपने सभी आवश्यक कार्य इसी दिशा की ओर करें। अपने घर का फर्नीचर काफूरी सफेद, हल्के नीले रंग का खरीदेंगे तो पूर्ण फलदायी रहेगा।

### शुभ वाहन नं

आप यदि स्वयं का वाहन आदि खरीदने के इच्छुक हैं तो उसके पंजीकरण के लिए आपके अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंक ही अच्छे रहेंगे। आपका मूलांक 7 है, तब आपके लिए शुभ अंक 2, 6, 7 हो तो अच्छा रहेगा, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5236 = 7 इत्यादि। यात्रा के वाहन, सीट क्रमांक के अंक भी यही होंगे तो आपकी यात्रा सफल रहेगी। यदि आप होटल में कमरा बुक करते हैं तब नंबर 106 = 7 आदि अंकों का चयन ही करें। यही आपके लिए हितकर रहेगा।

### स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तब आपको पेट दर्द, छूत के रोग, पसीने की अधिकता तथा दुर्गंध, आमाशय दोष, कब्जियत, नींद न आना, भूख न लगना, गुप्तांग संबंधित रोग, वात तथा गठिया इत्यादि रोग होते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आपको नृसिंह भगवान की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए।

### व्यवसाय

तैराकी, अभिनय, फिल्म व्यवसाय, वायु सेवा, पर्यटन, ड्राइवर का कार्य, बाबूगिरी, जल जहाज के कार्य, पत्रकारिता, संपादन कार्य, खबर, टायर, ट्यूब, प्लास्टिक वर्क, ललित कला संबंधी कार्य, राज्याधिकारी, जासूसी, तरल पदार्थों का क्रय-विक्रय, जादू के कार्य, कूटनीतिक कार्य, नियंत्रक, भूमिगत पदार्थों का व्यवसाय एवं ट्रांसमीटर, रेडियो, अनुवादक आदि के कार्य।

### व्रतोपवास

शनिवार को नेपच्यून अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर, इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

### अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए लहसुनिया प्रमुख रत्न है। इसके न मिलने पर आप पीला हकीक भी धारण कर सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, चौघड़िया मुहूर्त में, चांदी की अंगूठी में तीन से पांच रत्ती के लगभग, दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

### अनुकूल देवता

आप केतु ग्रह की उपासना करें अथवा नृसिंह भगवान की आराधना करें। नृसिंह भगवान के मंत्र 'ओम् ह्रीं उग्रं वीरं महा विष्णुं ज्वलंतं सर्वतोमुखं नृसिंह भीषणं भद्र मृत्यु मृत्युं नमाम्यहं ह्रीं' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो आप विभिन्न रोंगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो नृसिंह भगवान के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

### ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए केतु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, केतु गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

केतु गायत्री मंत्र - ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतुः प्रचोदयात् ॥

### ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप केतु का ध्यान करें, मन में केतु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।  
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥

### ग्रह जप मंत्र

अशुभ केतु को अनुकूल बनाने हेतु केतु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ सत्तर माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः ॥ जप संख्या 17000 ॥

### वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन एक इंच लंबी असंगंध की जड़ ला कर आसमानी धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे नेपच्यून/केतु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

### वनस्पति स्नान

आपको प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में सहदेई, लज्जालु (लोबान), बला, मोथा, प्रियंगु और हिंगोठ आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ केतु/नेपच्यून के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

### दान पदार्थ

केतु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को केतु के पदार्थ कस्तूरी, तिल, छाग, काला वस्त्र, ध्वजा, सप्तधान्य, कंबल, उड़द, वैदुर्य मणि, काले पुष्प, तेल, सुवर्ण, लोहा, शस्त्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

### यंत्र

केतु को अनुकूल बनाए रखने हेतु केतु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।